कुल पृष्ठ संख्या–24 (कवर पेज सहित)

क्रम संख्या....

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

माध्यमिक परीक्षा

(परीक्षार्थी द्वारा स्वयं भरा जाना चाहिये)

Candidate's Roll No. In English

(In Figures)

(In Words) ----------

परीक्षार्थी का नामांक हिन्दी में

शब्दों में ----------

नोट :– परीक्षार्थी उपरोक्त के अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका के अन्य किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम – हिन्दी ☐ अंग्रेजी ☐

विषय Social Science

परीक्षा का दिन Wednesday

दिनांक 27-03-19

नोट :– परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

परीक्षक हेतु निर्देश :– (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य है, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।

(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत्त करें।

(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदाहरणार्थ : 15 ¼ को 16, 17 ½ को 18, 19 ¾ को 20)

प्रश्नवार प्राप्तांकों की सारणी (परीक्षक के उपयोग हेतु)

प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1		19	
2		20	
3		21	
4		22	
5		23	
6		24	
7		25	
8		26	
9		27	
10		28	
11		29	
12		30	
13		31	
14		योग	
15		प्राप्त अंकों का कुल योग (Round off)	
16		अंकों में	शब्दों में
17			
18			

परीक्षक के हस्ताक्षर ..... संकेतांक ☐☐☐☐☐

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तिका के निर्माण में 58 जी.एस.एम. क्रीमवोव कागज ही उपयोग में लिया गया है।165/2019

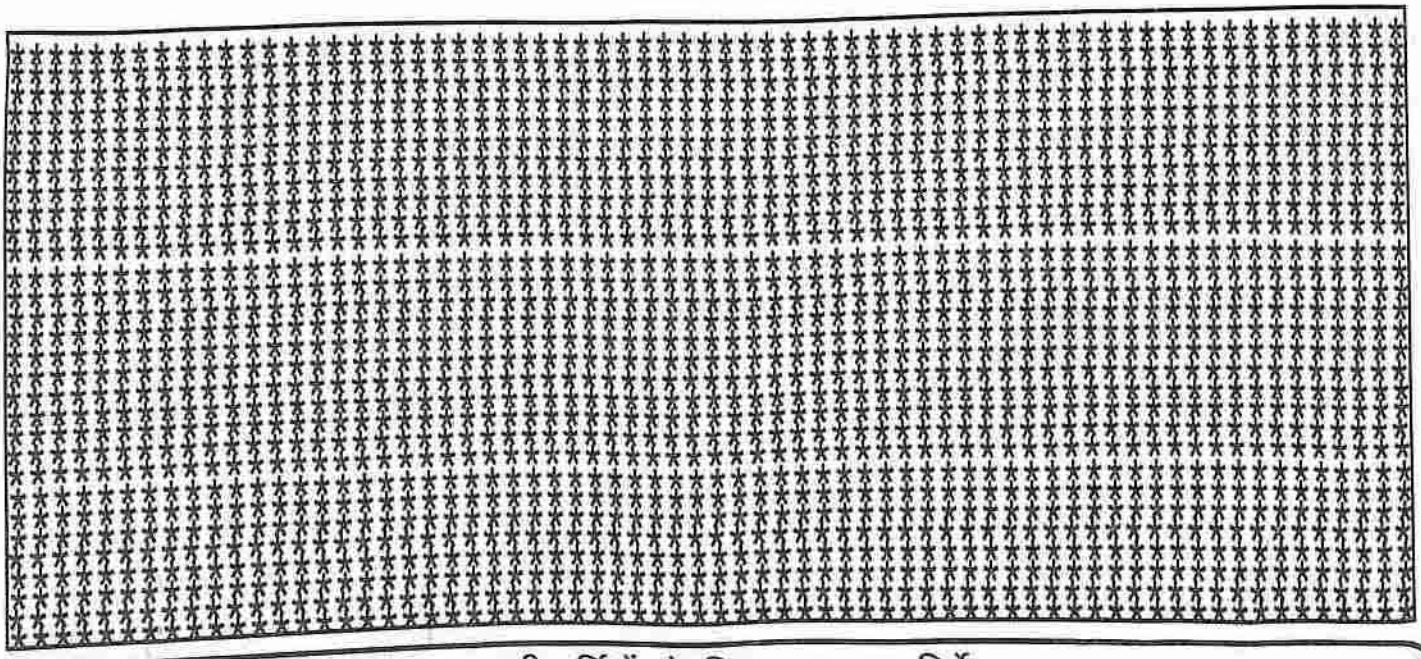

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका पृथक से उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशषां पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न–पत्र पर निर्धारित स्थान पर अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न–पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी।
   (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचित साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
   (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर–पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिये। परीक्षार्थी उत्तरपुस्तिका प्राप्त करते ही पृष्ठ संख्या की जांच कर लें यदि पृष्ठ कम/अधिक या क्रम में नहीं हैं तो वीक्षक से तुरन्त बदलवा लें।
   (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, केलक्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रोनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध हैं।
   (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ न लिखकर लावें। टेबुल के आस–पास कोई अवैध सामग्री नहीं होनी चाहिये, इसकी जांच कर लें।
   (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक को 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटें।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न–पत्र हिन्दी–अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित है। किसी भी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

(1) दो महाजनपद - मगध, मल्ल

(2) 'दीवाने - आरिज' सैन्य विभाग था।

(3) लास्की, बार्कर दो समर्थक है।

(4) ~~उड़ीसा, आंध्रप्रदेश राज्य की हिस्सेदारी है।~~

(5) तृतीयक क्षेत्र की दो गतिविधिया - परिवहन, बैंकिंग।

(6) उत्पादन - मूल्य वृद्धि का सृजन व उपयोगिता का सृजन ही, उत्पादन है।

(7) नीति आयोग उपलब्ध संसाधनों को उनकूलतम बांटकर भावी योजनाओं को पूरा करने का कार्य करती है।
नीति आयोग जनकल्याणकारी योजनाए बनाती है।

(8)

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

(9) गरीबी के दुष्चक्र का अर्थ है कि इसमें व्यक्ति अपनी आवश्यक जरूरतों को भी पूरा नहीं कर पाता है।

(10) मौसमी बेरोजगारी ⇒ कुछ लोगों को विशेष मौसम में रोजगार उपलब्ध होता है। उसके बाद वे बेरोजगार हो जाते हैं, इसे मौसमी बेरोजगारी कहते हैं। उदा० - गन्ना, कपास

(11) कोई दो कार्य निम्न हैं -
(i) विधानसभा के नेता होने के नाते जनता के हित में कानून का निर्माण करेंगे।
(ii) मंत्रीपरिषद में विभाजन करते समय योग्य मंत्रियों को ही मंत्री परिषद में चयनित करेंगे।

(12) पश्चिमी राजस्थान में ग्रीष्म ऋतु में जल के सूखने के हम 'टांका' का निर्माण करेंगे।

'टांका' निर्माण की दो विशेषताएं -
(i) यह जमीन में 5-6 मीटर गहरा खोदकर बनाया जाता है।
(ii) इसमें जल के बहाव को रोकने हेतु इसकी तली में बजरी का लेप किया जाता है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

(13) चावल के उत्पादन हेतु 15- 35 डिग्री तापमान होना चाहिए।
तथा वर्षा 125- 200 सेंटीमीटर होनी चाहिए।
चावल की फसल हेतु वर्षा की बहुत आवश्यकता होती है।
चावल की तीन किस्म - अमन, ओस, बोरो

(14)
(अ) बिटुमिनस -
(ब) लिग्नाइट -
(स) पीट -
(द) एन्थ्रेसाइट - (ii) 80 से 90 %.

(14) (अ) बिटुमिनस — (iv) 75 से 80 %.
(ब) लिग्नाइट — (i) 35 से 50 %.
(स) पीट — (ii) 15 से 35 %.
(द) एन्थ्रेसाइट — (iii) 80 से 90 %.

(15) (i) गोमती नदी के किनारे वाले उद्योगों से निकलने वाले दूषित जल को शुद्ध कर प्रवाहित होने देंगे।

(ii) गोमती नदी में कूड़ा-करकट, अपशिष्ट, आदि पर रोक लगवाएंगे।

परीक्षक द्वारा अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

(5) कर्नाटक व आन्ध्रप्रदेश हिस्सेदार है।

(8) मांग प्रेरित मुद्रा स्फीति ⇒
जब उत्पादों की मांग अत्याधिक होती है तो उत्पादों की कमी पड़ती है तथा उत्पादन कम होता है, जिससे ~~मांग प्रेरित~~ मुद्रा स्फीति बढ़ती है। इस स्थिति से उत्पन्न मुद्रा स्फीति, मांग प्रेरित मुद्रा स्फीति कहलाती है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

(16) बालिका शिक्षा बढ़ावा देने के लिए 4 योजनाएं –

(i) राजस्थान में 'गार्गी पुरस्कार' योजना चलाई जाती है।
(ii) राजस्थान में गरीब छात्राओं हेतु 'कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय' चलाई जा रही है।
(iii) 'आपकी बेटी योजना'
(iv) देवनारायण छात्रा स्कूटी वितरण आदि योजनाएं चलाई जा रही है।

(17) इन्टरनेट

(i) इन्टरनेट से कोई भी संदेश एक स्थान से दूसरे स्थान पर भेजा जा सकता है।
(ii) इन्टरनेट से ऑडियो कॉलिंग, वीडियो कॉलिंग तथा कान्फ्रेंसिंग भी की जाती है।
(iii) इन्टरनेट विश्व व्यापी तंत्र है जिससे पूरी दुनिया की जानकारी मिल सकती है।
(iv) इन्टरनेट मनोरंजन सबसे लोकप्रिय साधन है।

(18) वाहन चलाते समय 4 सावधानियां –

(i) दुपहिया वाहन चालकों हेलमेट पहनकर वाहन चलाना चाहिए।
(ii) वाहन चलाने के समय फोन पर बात नहीं करनी चाहिए।
(iii) शराब पीकर वाहन नहीं चलाना चलाना चाहिए।
(iv) हमें यातायात के नियमों का पालन करना चाहिए।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

(19) स्वच्छता के दो प्रकार –

भष्मीकरण ⇒ भष्मीकरण एक थर्मल प्रक्रिया है। इसमें अपशिष्ट को जलाया जाता है तथा उससे जो ऊष्मा प्राप्त होती है उसका उपयोग विद्युत बनाने में किया जाता है।

गैसीकरण व पायरोलासिस ⇒ यह भी एक थर्मल प्रक्रिया है। इसमें कचरे को ऑक्सीजन की कमी तथा बिना ऑक्सीजन के ही जलाया जाता है। जिससे पायरोलिसिस द्रव्य प्राप्त होता है। इस द्रव्य को कई कामों मे लिया जाता है तथा इस द्रव्य से प्रदूषण नहीं फैलता है।

(20) धम्मयात्रा ⇒ अशोक ने जब कलिंग पर आक्रमण किया तो इस युद्ध में करीब 1 लाख लोगों की मृत्यु हुई थी, जिससे अशोक का मन विचलित हो गई और उसने धम्म बौद्ध को अपना लिया।

अशोक राज्य के कर्मचारियो, – रज्जुक, स्थानिक प्रादेशिक आदि को प्रति पाँचवे वर्ष धर्म प्रचार हेतु भेजता। तथा जनता को सत्कार, प्रेमभाव, मित्रता आदि से रहने की शिक्षा देने हेतु कहता। ऐसी यात्राओं को 'धम्म यात्रा' कहा जाता था।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

धम्म महामात्र → अशोक ने मनुष्य की नैतिक उन्नति हेतु जिन नियमों का प्रतिपादन किया उन्हें 'धम्म' कहा जाता था। अशोक ने जनता में धम्म के प्रचार हेतु राज्य के कर्मचारियों को प्रति पाँचवे में धम्म यात्रा पर भेजता है।
अशोक ने धम्म के प्रचार हेतु जिन कर्मचारियों - युक्तकों, प्रदेशि, सभा राज्जुक आदि को धम्म महामात्र कहा जाता था।
ये धम्म का प्रचार जनता में करते थे तथा लोगो को मित्रता की भावना से रहने, पशु - पक्षियो का वध न करने, किसी भी प्रकार की हिंसा न करने की शिक्षा देते थे।

(21) अकबर की अधीनता अधिकतर हिंदु राजाओं ने स्वीकार कर ली थी। अकबर अपने साम्राज्य विस्तार के इच्छा से मेवाड पर भी कब्जा करना चाहता था। क्योंकि मेवाड ही ऐसा राज्य था जिसने 1570 तक अकबर की अधीनता स्वीकार नहीं की थी। अकबर के मेवाड बहुत ही महत्व का था क्योंकि विदेशी व्यापार हेतु कांडला बंदरगाह (गुजरात) का था जिस तक पहुचने हेतु मेवाड को पार करना पडता था।

अकबर ने 1970 में नागौर में दरबार लगा जिसमें अधिकतर हिंदु राजाओं ने उसकी अधीनता स्वीकार कर ली थी। डूंगरपुर, राजसमंद ने भी स्वीकार कर ली थी।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

अकबर ने महाराणा प्रताप को अपने अधीन करने हेतु तीन चार दल भेजे -

प्रथम - अकबर ने प्रथम बार जलाल खाँ को नवम्बर 1572 में भेजा। परन्तु जलाल खाँ को सफलता नहीं मिली।

द्वितीय - अकबर ने दूसरी बार मानसिंह आमेर के शासक को जून 1573 में भेजा, परन्तु इसे भी सफलता नहीं मिली।

तृतीय - अकबर ने तीसरी बार भगवन्तदास को अक्टूबर 1573 में भेजा उसे भी असफलता मिली।

चतुर्थ - अकबर ने चौथी बार टोडरमल को दिसम्बर 1573 में भेजा इसे भी सफलता नहीं मिला।

अब अकबर मेवाड़ को अपने अधीन लाना चाहता था। इसलिए मुगलों व महाराणा प्रताप के मध्य हल्दीघाटी के मैदान में 18 जून 1576 को युद्ध हुआ। यह युद्ध अनिर्णीत रहा।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

(१९) यूरोप में राष्ट्रवाद के किन्ही चार कारण -

मध्यवर्ग का उदय ⇒ यूरोप में सामन्तशाही से सभी ~~जब~~ जनता बहुत दुखी थी। इससे बचने का कोई भी रास्ता नहीं था। अमीर वर्ग अपना ही प्रभुत्व चाहता था। तभी मध्यम वर्ग का उदय हुआ और अपने हक की लड़ाई लड़ी। जिससे यूरोप में क्रांति फैली और लोगों ने राष्ट्र का सपना देखा।

संगीतकारों का योगदान ⇒
यूरोप में राष्ट्रवाद के उदय के ~~लिए एक~~ लिए एक महत्वपूर्ण कारण था ~~संगीत~~ संगीतकारों द्वारा गाए जाने वाले जोशीले गीत। जिससे वहा के लोगो में जोश आया और वे राष्ट्र की कामना करने लगे। संगीतकारों ने अपने गीत मंत्रों की भांति यूरोप की जनता पर छिड़के और जनता खड़ी हुई और अपने हक के लिए लड़ी।

बोल्शेविक सांधी ⇒ जर्मनी के मे हुई
बोल्शेविक संधी भी राष्ट्रवाद के लिए एक बहुत बड़ा तीर साबित हुई। इस संधी में मध्यवर्ग सोंदर शोषन राज्यों में सीमा शुल्क मुक्त कर दिया था। सीमा शुल्क मुक्त हो जाने से वहा

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी द्वारा

व्यापार निर्बाध होने लगा। तथा सिक्के पतले जो 30 से अधिक थे काम कर दिए। इससे भी राष्ट्रवाद को बढ़ावा मिला।

क्रांतियां ⇒ यूरोप के राष्ट्रों में हुई क्रांतियों से जनता उठी और सामन्तशाही के खिलाफ लड़ी। दक्षिण के राज्यों में पोप का आधिपत्य था जो कभी भी नहीं चाहता था कि यूरोप का एकीकरण हो और वह एक राष्ट्र के भावना को सुशोभित करें। परन्तु क्रांतिकारी संगठन इन कार्यों में पोप को सफल नहीं होने दिया दिया लगातार क्रांतियां की। जिससे यूरोप एक राष्ट्र बना।

(23) हम लोकतंत्र की सफलता हेतु इन दो परिस्थितियों को आवश्यक मानते हैं -

(1) समानता का होना ⇒

लोकतंत्र की सफलता हेतु आवश्यक है, कि सभी लोग को कानून का समान संरक्षण प्राप्त हो। समानता होगी तो सभी लोग एक-दूसरे के साथ मित्रता, भाई-चारे के साथ रहेंगे।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

समानता हेतु सभी लोगों लिंग, जन्म स्थान, धर्म, जाति, भाषा आदि के आधार पर अलग नहीं मानना चाहिए।
तथा सभी को कानून का ~~संरक्षण~~ समान संरक्षण मिलना चाहिए।

(ii) जनता के प्रति उत्तरदायी शासन ⇒

लोकतंत्र की सफलता हेतु आवश्यक है, कि शासन जनता के प्रति उत्तरदायी होना चाहिए। उत्तरदायी का अर्थ है - शासन अपने कार्यों के लिए जनता द्वारा पूछे जाने वाले सवालों का जवाब दे सके। जनता के प्रति उत्तरदायी शासन होगा तो जनता के सरकार के कार्यों में हिस्सा लेगी जिससे जनता को सरकार के कार्यों के बारे में पता चलेगा तथा जनविरोधी कार्यों के पाए जाने पर जनता सरकार के जनाविरोधी का विरोध करेगी तथा अपने लिए उचित कार्य करवाएगी।

अन्य परिस्थितियाँ - एक से अधिक राजनीतिक पार्टियों का होना जिनसे अवसरवादी तथा भ्रष्ट नेता नहीं चुने जाए।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

(24) भारतीय अर्थव्यवस्था के अविकासित होने के 4 कारण ⇒

(1) निम्न प्रति आय ⇒ भारत की एक सबसे बड़ी समस्या है, निम्न प्रति व्यक्ति आय। भारत के पड़ोसी देश चीन, जापान आदि देशों के लोगो की प्रति व्यक्ति आय भारत की प्रति व्यक्ति आय से कहीं गुना ज्यादा है। 2015 के रिपोर्ट पर विश्व बैंक के अनुसार भारत की प्रति व्यक्ति आय 1590 डालर है तथा भारत का प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय में 170 वाँ स्थान है। निम्न कारण भारत की अर्थव्यवस्था के अविकासित होने के लक्षण प्रस्तुत करते है।

(2) छिपी हुई बेरोजगारी ⇒

भारत की एक समस्या छिपी हुई बेरोजगारी की भी। छिपी हुई बेरोजगारी मे व्यक्ति उत्पादन कार्य मे संलग्न तो रहता मगर उसका उत्पादन में योगदान शून्य या न्यूनतम रहता है व उसे वहा से हटा देने पर भी उत्पादन मे कमी नहीं आती।
भारतीय कृषि प्रधान देश है। कृषि परिवार में पूरा परिवार संलग्न तो रहता है मगर उनका योगदान बहुत कम होता है। ऐसे अन्य कारण भी है जो भारतीय

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

अर्थव्यवस्था के अविकसित स्वरूप को स्पष्ट करते है।

(3) कृषि पर अत्याधिक निर्भरता ⇒ भारत कृषि प्रधान देश है। यहा करीब 50% जनसंख्या कृषि तथा सहायक क्षेत्रो मे लगी है। जनता के द्वितीय तथा तृतीयक क्षेत्र मे योगदान बहुत कम है। भारत मे कार्यकारी आयु वर्ग (15-65) सर्वाधिक अर्थात 65% है। परन्तु अधिकांश जनता कृषि आधारित कार्यों मे लगी हुई है।
कृषि पर अत्याधिक निर्भरता भारतीय कृषि के अविकसित स्वरूप को प्रदर्शित करती है।

(4)
उत्पादन की पिछडी तकनीक ⇒ भारत मे कृषि तथा उत्पादन मे पिछडी तकनीक का उपयोग किया जाता है। जिससे उत्पादन कम होता है। भारत मे वैज्ञानिक तकनीको को भी ~~और~~ प्रोत्साहन कम दिया जाता है। जिससे वैज्ञानिक आविष्कार कम होते तथा पिछडी तकनीक का सामना करना पड रहा है। भारत मे उन्नत तकनीको पर तो खर्च कम ही किया जाता है। उत्पादन की पिछडी तकनीक भारतीय अर्थव्यवस्था के अविकसित स्वरूप को प्रकट करती है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

(25) ~~संस्थागत स्रोतों~~

संस्थागत स्रोत

संस्थागत स्रोत मे वे व्यक्ति, संस्थान तथा फर्म आदि है जो आवश्कता वाले व्यक्ति, फर्म, समूह को ~~ऋण~~ ऋण, कारण के आधार पर दिया जाता है।

संस्थागत ~~स्त्र~~ स्रोत मे बैंक, आदि आदि है ये ऋण कागजात तथा कारण पर ही देते है। इसमें धन डूबने का डर कम होता है।
ये लोगो को धन जमा करने तथा जमा धन निकालने की सुविधा भी प्रदान करते है।
ये फर्म लोगो को उद्योग, वाहन आदि खरीदने हेतु ऋण भी देते है।

गैर संस्थागत स्रोत

गैर संस्थागत स्रोत में परिवार जन, रिश्तेदार, महाजन, श्रेष्ठि, सेठ आदि है। ये लोगो को बिना कारण के भी ऋण दे देते है। परन्तु उनसे ब्याज अधिक लेते है।

भारत मे गैर संस्थागत स्रोत बहुत है। ये बिना कागजात के ही ऋण दे देते है।

से ये स्रोत बिना कागजातो के लोगो के धन डूबने का खतरा ज्यादा होता है।

~~भी~~ गरीब लोगो इन मे ज्यादा परेशान किए जाते है तथा उनकी भूमि भी गैर संस्थागत स्रोतो द्वारा कब्जीत कर ली जाती है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

(24)

उपभोक्ता हानि से बचने हेतु कर्तव्य -

(i) ~~उपभोक्ता~~ उपभोक्ता द्वारा वस्तु ~~विक्रेता~~ खरीदने पर दुकानदार से वस्तु / सेवा का बिल अवश्य लेना चाहिए।

(ii) उपभोक्ता को वस्तु की गुणवत्ता चिन्ह ISO / FPO / ECO / ISL आदि पर ध्यान रखकर क्रय करना चाहिए।

(iii) वस्तु के बारे में लिखित तथा अलिखित पूरी जानकारी प्राप्त करनी चाहिए।

(iv) वस्तु / सेवा में कमी पाई जाने पर विक्रेता से शिकायत करनी चाहिए तथा हानि का भरण प्राप्त करना चाहिए।

(v) यदि विक्रेता उचित सुनवाई ना करे तो उपभोक्ता को अपने अधिकारों के हनन होने से बचाने के लिए शीघ्र ही उपभोक्ता मंच पर शिकायत करनी चाहिए।

उपभोक्ता वस्तु / सेवा के बारे में जानकारी विक्रेता / निर्माता से ~~पूरी~~ लेने का अधिकार है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

(27)

राजस्थान में किसान आन्दोलन के कारण ⇒

(i) राजस्थान में अंग्रेजों के अधिकार के कारण राजा व सामंत अंग्रेजों की सेवा में ही लगे रहते। जिससे सोम राजा तो सामंतो पर तथा सामंत किसानों पर निर्भर होते चले गए।

(ii) किसानों से ली जाने वाली बेगार व लाग-बाग में अप्रत्याशित वृद्धि से किसान नाराज हो गए। कुछ राज्यों में तो इन लाग-बागों व बेगारों की संख्या 300 थी।

(iii) किसान के लिए फसल का मूल्य वृद्धि होना दोनो ही स्थितिया लाभकारी नहीं थी। जहा एक ओर फसल का मूल्य बढ़ने पर सामंत लगान जिंस के रूप मे लेता तो उत्पादन कम रहता तथा मूल्य कम होने पर अधिक भाग सामंत ही ले जाते।

(iv) किसानों की संख्या में वृद्धि हुई क्योंकि अनेक कार्यों से छूटे लोग कृषक मजदूर बन गए जिससे किसानो के प्रति उदारता व पैतृक नजरिया बदल गया था।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

किसान आन्दोलन

(1) सीकर किसान आन्दोलन ⇒

सीकर में किसान आन्दोलन का कारण था 25 से 50 प्रतिशत तक लगान में वृद्धि करना। रावल कृष्णसिंह ने स्वयं के गद्दीनशीही व पूर्व रावराजा के मृत्यु पर आर्थिक खर्च का बहाना लगाकर वृद्धि लगान में की थी तथा कहा अगले वर्ष लगान में रियायत दे दी जायेगी। परन्तु रावल कृष्णा सिंह अपने वादे से मुकर गया।

सीकर किसान आन्दोलन 1922 में आरंभ हुआ था।

सीकर किसान आन्दोलन का नेतृत्व राज्य लोक सेवा संघ के मंत्री ने किया था।

सीकर किसान आन्दोलन के खबर 'डेली हेराल्ड' नामक अंग्रेजी ~~अखबार~~ अखबार में छपी थी।

इस आन्दोलन में महिलाओं ने भी बढ़चढ़ कर भाग लिया था। श्रीमती किशोरी देवी की अध्यक्षता में महिला संगठन का आयोजन हुआ। इसमें श्रीमती दुर्गा देवी शर्मा, श्रीमती फूंला देवी, श्रीमती उत्तमा देवी, श्रीमती रमा देवी जोशी प्रमुख थी।

4 किसान — आशाराम, तुलछाराम आदि जो कूंदन गांव में शहीद हुए थे।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

बिजौलिया किसान आन्दोलन ⇒

बिजौलिया किसान आन्दोलन में किसानो पर अत्याधिक कर भार, बेगार आदि था। ~~सबल बिशन~~ बिजौलिया में किसानो से 87 प्रतिशत उनकी फसल का हिस्सा लिया जाता था।

रावल बिशनसिंह ने किसानो पर चंवरी कर लगाया जो किसानो के लिये आर्थिक रूप से तो भार ही था ही पर सामाजिक रूप से भी था। इसमें किसानो को अपनी पुत्रियों की शादी पर ठिकाने के कोष में 5 रुपये जमा कराने पड़ते थे।

इसमे लक्ष्मण दास, सारोरियन प्रमुख थे। यह आन्दोलन विजयसिंह पथिक के नेतृत्व में चला। यह आन्दोलन 1941 में समाप्त हुआ।

शिक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

(28) प्रधानमंत्री के कार्य एवं शक्तियां

(i) मंत्रीपरिषद का निर्माण ⇒ भारत में संसदात्मक व्यवस्था अपनाई गई है। प्रधानमंत्री अपना पद ग्रहण करने के बाद मंत्रिपरिषद का निर्माण करता है जो प्रधान मंत्री का सबसे प्रमुख कार्य है।

(ii) मंत्रियों का चयन ⇒ प्रधान स्वविवेक मंत्रियों का चयन करता है जिनको वह मंत्रिमंडल में लेना चाहते है। इसके लिए उसके ऊपर कोई बाह्य बल नहीं है। जहां तक हो प्रधानमंत्री अपने दल के लोगो को ही मंत्रीमंडल में चुनता है।

(iii) मंत्रियों में कार्याविभाजन ⇒ जिन शक्तियों का उपयोग राष्ट्रपति को करना चाहिए वास्तव में उनका प्रयोग प्रधानमंत्री करता है। मंत्रियो के बीच कार्य विभाजन करते समय अपने विवेक का उपयोग करता है।

(iv) शासन में समन्वय ⇒ प्रधानमंत्री शासन में समन्वय बनाए रखता है तथा विभिन्न मंत्रियों में विवाद होने पर हल करता है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी द्वारा

(5) मंत्रिपरिषद् व राष्ट्रपति के बीच सम्बंध स्थापित करना

⇒ राष्ट्रपति जो राष्ट्र का प्रधान होता है उससे केवल प्रधानमंत्री ही मिल सकता है। सार्वजनिक महत्व के विषय पर मंत्रीमंडल के निर्णयों से राष्ट्रपति को अवगत करता है तथा राष्ट्रपति के विचारों को मंत्रीमंडल को बताता है।

(6) लोकसभा का नेता ⇒

प्रधानमंत्री लोकसभा का नेता होता है। इसलिए अधिकतर कानूनों का निर्माण उसी के द्वारा होता है। उसे कानून निर्माण का पूरा अधिकार होता है।

3

(7) शासन को व्यवस्थित करना ⇒

प्रधानमंत्री लोकसभा का नेता होता है तथा वह मंत्रीमंडल में अधिकांश अपने दल के ही लोगों को चुनता है, जिससे शासन एक इकाई के रूप में कार्य कर सके।

Sl.No. : 1017525

नामांक Roll No.

२	4	२	9	5	0	8

S–08–Social Science

माध्यमिक परीक्षा, 2019

SECONDARY EXAMINATION, 2019

Ans (30)

सामाजिक विज्ञान

SOCIAL SCIENCE

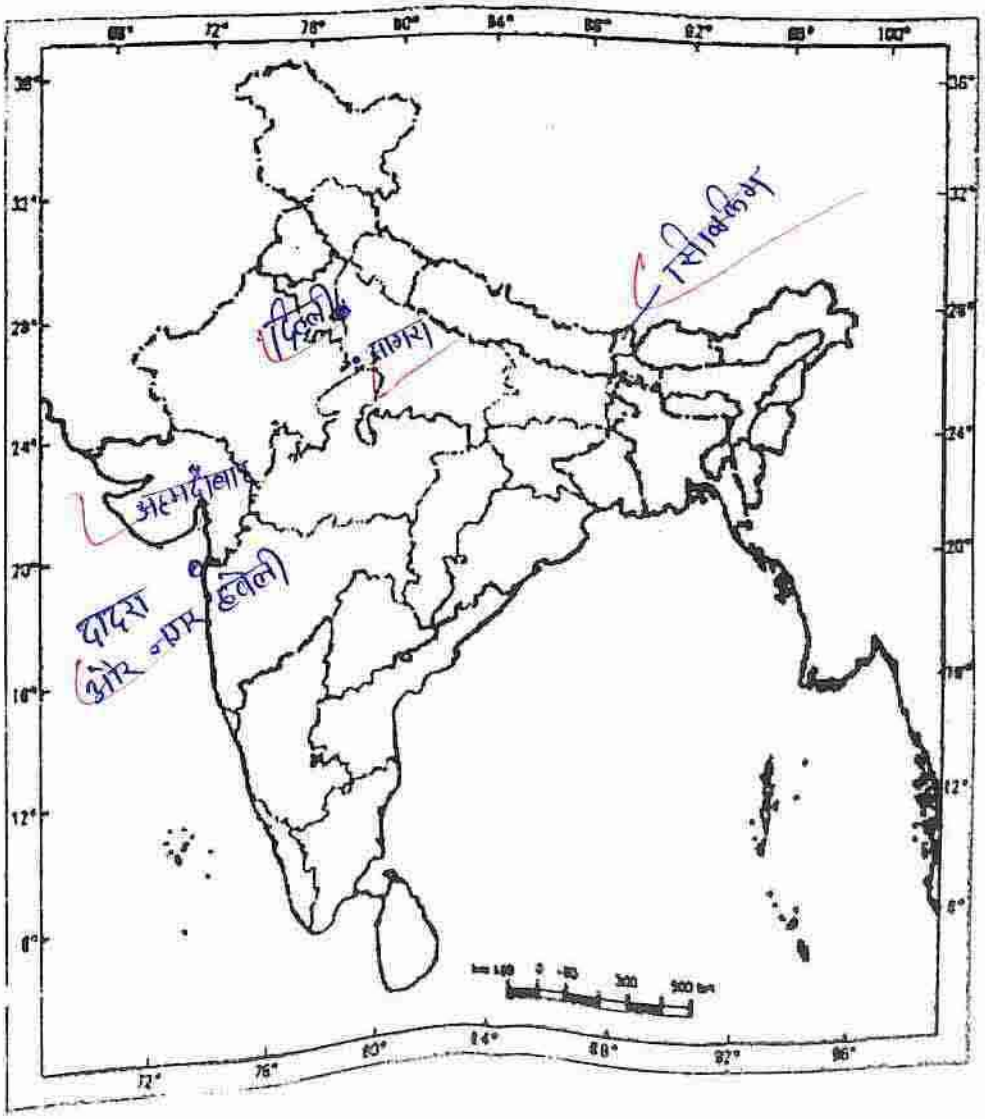

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

(29) राज्यपाल की शक्तियाँ

(1) कार्यपालिका शक्तियाँ ⇒

राज्य का संवैधानिक मालिक राज्यपाल होता है। राज्यपाल को व्यापक शक्तियाँ प्रदान की गई है।
राज्यपाल, मुख्यमंत्री की नियुक्ति विधानसभा ~~के~~ ~~नेता~~ में बहुमत दल के नेता का निर्वाचित करता है।
मुख्यमंत्री की नियुक्ति बाद वह ~~स्वयं~~ मुख्यमंत्री की सलाह से अन्यमंत्री की नियुक्ति करता है।
राज्यपाल साधारण अवित्तीय विधेयक पारित करता है तथा उसे राज्यसूची के विषयों पर कानून निर्माण का पूरा अधिकार होता है। राष्ट्रपति से सहमति पर वह समवर्ती सूची के विषयों पर भी कानून बना सकता है।
राज्यपाल महालेखापाल तथा राज्य लोक सेवा संघ के अध्यक्ष व ~~सब~~ सदस्यों को निर्वाचित करता है।

BSEB-165/2019

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

~~अधिकतम~~ : 1878
~~जाव~~ 1872

(ii) विधायी शक्ति ⇒

राज्यपाल को विधायी क्षेत्र में व्यापक शक्तिया प्रदान की गई है। राज्यपाल को संविधान में संसोधन की शक्ति प्रदान नहीं की गई है। राज्यपाल तो केवल राष्ट्रपति को सलाह दे सकता है।
कुछ विषय ऐसे होते है जिनमें राज्यपाल की अनुमति आवश्यक होती है। राज्यपाल राज्य के संवैधानिक तंत्रो के अनुसार नहीं चलने पर राष्ट्रपति को अवगत कराता है तथा राष्ट्रपति शासन लागू करवाने हेतु कहता है।
राज्यपाल को कानून निर्माण की शक्ति बहुत गौण पर जब विषय राज्य का हो तो उसे पूरा अधिकार है। राज्यपाल विधानमण्डल की बैठक बुलवाता है तथा जब विधानमण्डल में कानून बन नहीं रहे हो तो राज्यपाल अधिवेशन बनाता है जो 6 सप्ताह तक लागू रह सकता है परन्तु विधानमण्डल इसे 6 सप्ताह से पहले भी नष्ट कर सकता है।